लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4884
01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

बंद पड़ी जूट मिलें

4884. श्री दीपक अधिकारी (देव):

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान राज्यवार कितनी जूट मिलें बंद हुई हैं;

(ख) इन मिलों के बंद होने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार के पास इन जूट मिलों को फिर से खोलने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): जूट मिलें प्रबंधन के मामलों, श्रम मामलों, कम उत्पादकता आदि जैसे कई कारणों से बंद होने की घोषणा करती हैं। सामान्यतया, बंद जूट मिलें नए प्रबंधन/स्वामित्व के तहत या महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान होने के बाद फिर से खुल जाती हैं और परिचालन शुरू कर देती हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान उन्नीस (19) नई जूट मिलें खोली गई हैं और सात (7) जूट मिलों ने बंद होने की घोषणा की है, जिनमें आंध्र प्रदेश राज्य की तीन (3) और छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल राज्य की एक-एक (1) मिल शामिल हैं। बंद जूट मिलों में से छह निजी स्वामित्व वाली हैं, जबकि एक जूट मिल त्रिपुरा सरकार के स्वामित्व में है।

***